A–596

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MAJY–503

पंचांग एवं मुहुर्त्त–01

MA JYOTISH (MAJY)

1st Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पञ्चाङ्ग के इतिहास पर सुविस्तृत प्रकाश डालिए।
2. पञ्चाङ्ग निर्माण की परम्परा पर विस्तृत चर्चा कीजिए।

3. दृक्सिद्धपञ्चाङ्ग के महत्व पर विमर्श करते हुए इसकी आवश्यकता को रेखाङ्कित कीजिए।

4. तिथि क्या होती है ? सोदाहरण प्रकाश डालिए।

5. पञ्चाङ्ग की उपादेयता पर विस्तार से अपने विचार प्रस्तृत कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पञ्चाङ्ग के स्वरूप पर टिप्पणी कीजिए।

2. पञ्चाङ्ग के **पाँच** अङ्ग कौन–कौन से हैं ? इनका संक्षिप्त परिचय दीजिए।

3. पञ्चाङ्ग निर्माण के विभिन्न सिद्धान्तों की समीक्षा कीजिए।

4. नक्षत्रों के नाम बताते हुए नक्षत्रसाधन को सोदाहरण प्रस्तृत कीजिए।

5. विष्कुम्भादि योग कितने हैं ? नामोल्लेख करते हुए योगसाधन विधि को प्रस्तुत कीजिए।

6. वारसाधन पर टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए।

7. चर व स्थिर करण कौन–कौन से हैं ? करण साधन की विधि प्रस्तुत कीजिए।

8. भारतीय पञ्चाङ्ग पद्धति में दृश्यादृश्यत्व विचार की समीक्षा कीजिए।

****